<u>फीड बैक का विश्लेषण</u>

<u>शिक्षक का फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 25/06/2017 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 09/07/2017 को किया गया। शिक्षकों ने अपने फीडबैक में सामान्य तौर पर अध्यापन विधियों, शोध, कौशल एवं योग्यता को बढ़ावा देने, नवीन पाठ्यक्रमों के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, क्रीडा सम्बन्धी व्यवस्था को सुनिश्चित कराने के लिए महाविद्यालय से अपेक्षा की गई थी। महाविद्यालय की साफ–सफाई, छात्राओं के अनुशासन, कैन्टीन, शिकायत निवारण प्रक्रिया, शिक्षकों के प्रति प्रबन्धन के व्यवहार से शिक्षक संतुष्ट थे और उनके द्वारा इन क्षेत्रों में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा गया था।

<u>कार्यवाही :</u>

दिनांक 09/07/2017 को महाविद्यालय से प्राप्त शिक्षक–शिक्षिकाओं के फीडबैक पर विचार करने के लिये बैठक की गई और निम्नांकित संस्तुतियाँ प्रबन्धन/प्राचार्या को प्रेषित की गई।

– महाविद्यालय की साफ–सफाई, छात्राओं के अनुशासन, कैन्टीन, शिकायत निवारण प्रक्रिया, शिक्षकों के प्रति प्रबन्धन के व्यवहार से शिक्षक संतुष्ट थे और उनके द्वारा इन क्षेत्रों में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा गया था किन्तु समिति का सुझाव है कि अपने इस स्वरूप को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को सतत् प्रयत्नशील रहना होगा और इसके लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि मॉनीटरिंग सिस्टम को और मजबूत बनाये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– क्रीडा परिसर में सुधार के लिये शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया।

<u>शिक्षक का फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 30/06/2018 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 24/07/2018 को किया गया। महाविद्यालय के परिसर, साफ–सफाई, अनुशासन, शिक्षकों को समय से पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने की व्यवस्था, लक्ष्य निर्धारण एवं उसकी मॉनीटरिंग आदि की व्यवस्था को अधिकांशता शिक्षकों ने उत्कृष्ट की श्रेणी में रखा और क्रीडा, शोध एवं अध्यापन विधियों के प्रोत्साहन और नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता के सम्बन्ध में शिक्षकों की राय

के अनुसार अभी और सुधार की आवश्यकता थी जिससे महाविद्यालय के संसाधनों का और अच्छा उपयोग किया जा सकता था।

<u>कार्यवाही :</u>

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये शिक्षक–शिक्षिकाओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही निम्नवत् प्रस्तावित की गई।

– शिक्षकों का प्रस्ताव था कि विश्वविद्यालय द्वारा बनाये जाने रहे शोध निर्देशकों की सूची में सम्मिलित कराये जाने हेतु प्रयास किया जाये जिसे स्वीकार करते हुए तत्नुसार विश्वविद्यालय से अनुरोध किया जाये।

– उन शिक्षकों को जिन्होने अभी तक पी0एच0डी0 नही किया है उन्हे पी0एच0डी0 करने के लिए प्रेरित किया जाये।

– एक विषय से परास्नातक एवं बी0एड्0 की डिग्री धारक शिक्षकों को एम0एड्0 करने के लिये प्रेरित किया जाये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– पुराछात्राओं द्वारा 05 कैरमबोर्ड एवं 05 शतरंज महाविद्यालय को उपलब्ध कराया गया जिसे सम्मिलित कर लेने से क्रीडा परिसर में खेल उपकरणों की संख्या में वृद्धि हुई। अन्य सुधारों के लिए क्रीडा से सम्बन्धित छात्राओं के आकांक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्रीडा प्रशिक्षक को निर्देश दिया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– अभिभावकों की नियमित रूप से बैठक आहूत की जाये और उनकी समस्या का समाधान तत्काल सुनिश्चित कराया जाये।

<u>शिक्षक का फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 09/04/2019 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 03/07/2019 को किया गया। शिक्षकों ने गत् वर्ष में दिये गये सुझाव को सराहा और आगामी सत्र के लिए निम्नांकित सुझाव दिये –

– छात्राओं के कौशल एवं योग्यता को विकसित करने के लिए कार्यशालाय आयोजित की जाये।

– शिक्षकों के शोध निर्देशक बनाये जाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यवाही करायी जाये।

– प्रयोगशालाओं को और सुसजित कराया जाये।

– परिसर की साफ–सफाई के प्रति सम्बन्धित कर्मचारियों का दायित्व निर्धारित किया जाये।

– क्रीडा सम्बन्धी उपकरणों एवं क्रीडा परिसर के विकास के लिए प्रयास किया जाये।

– पुस्तकालय में नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकों की उपलब्धता को बढ़ाया जाये।

<u>कार्यवाही :</u>

दिनांक 03 जुलाई 2019 को सत्र 2018–19 के शिक्षकों के फीडबैक पर विचार कर महाविद्यालय के स्वरूप में गुणात्मक संवर्धन के लिये निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– महाविद्यालय द्वारा शिक्षकों को शोध निर्देशक बनाये जाने के लिये विश्वविद्यालय से अनुरोध किया जाये।

– छात्राओं में कौशल एवं योग्यता के विकास के लिये कार्यशालय आयोजित की जाये। बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीवविज्ञान विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 10 बॉलीबाल, 05 हैण्डबॉल और 04 रैकेट उपलब्ध कराये गये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– समिति ने प्राचार्या से आग्रह किया कि विद्यालय को और उन्नत स्तर प्रदान कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे और महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर में उन्नयन, शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार, परिसर की साफ–सफाई एवं प्रयोगशालाओं को मानक के अनुरूप सुसजित कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

<u>शिक्षक का फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 26/05/2020 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 11/11/2020 को किया गया। दिनांक 22 मार्च 2020 से कोविड–19 के कारण लॉकडाउन लागू हो जाने के कारण शिक्षकों के फीडबैक ऑनलाईन प्राप्त किया गया और शिक्षकों ने कोविड–19 के संकट काल में एक जुट होकर संकट का सामाना करने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय में चल रहे यूट्यब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर चल रहे शिक्षण कार्य एवं योगा/शारीरिक शिक्षा के कक्षाओं की सराहना की और महाविद्यालय के प्रयास को स्वीकार किया गया। नई दिल्ली की फर्म टेटफोरिया के द्वारा करायी गई ऑनालाईन परीक्षा और उसका मूल्यांकन शिक्षकों के द्वार बहुत ही सराहा गया। संकट काल में भी सभी शिक्षकों को सेवा में बनाये रखने और उनके वेतन में किसी भी प्रकार की कटौती न करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया और यह विश्वास दिलाया गया कि महाविद्यालय के शिक्षण स्तर को आकाश की ऊँचाईयों तक ले जाने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा।

<u>कार्यवाही :</u>

दिनांक 11 नवम्बर 2020 को सत्र 2019–20 के शिक्षकों के फीडबैक पर विचार कर महाविद्यालय के स्वरूप में गुणात्मक संवर्धन के लिये निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– वर्तमान सत्र के अंत में कोविड–19 के संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन में शैक्षिक प्रणाली को ध्वस्त कर दिया था और आवश्यकता के अनुरूप नयी चुनौतियों से जूझने के लिये शैक्षिक प्रणाली में सुधार के लिये आगामी सत्र में व्यापक सुधार किये गये।

– पुस्तकालय के लिए रू0 1.11 लाख मूल्य की पुस्तकें क्रय की गयी और जो पाठ्यक्रम इन पुस्तकों में उपलब्ध पाठ्य सामाग्री के अनुरूप नही था उसके लिये शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि वे छात्राओं को सीधे नोट्स उपलब्ध कराये जिसमें संदर्भ ग्रन्थों का उपयोग किया जाये।

– भूगोल विभाग की प्रयोगशाला के लिये रू0 20,000 मूल्य के उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 07 जेवलिन, 05 डिस्क, 02 गोले और 12 रस्सी उपलब्ध करायी गयी।

– सैनेटाइज़र टनैल, आटोमैटिक सेनेटाइज़र एवं प्रत्येक छात्रा की थर्मल चेकिंग की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिसर में प्रतिदिन सेनेटाइज़ेशन की व्यवस्था की गयी।

– परिसर में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं के लिये प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई एवं पुस्तकालय के उपयोग को सुनिश्चित किया गया।

– सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रखा गया।

– महाविद्यालय की बसों में परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए परिवहन सुनिश्चित किया गया।

<u>शिक्षक का फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 20/04/2021 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 26/11/2021 को किया गया। कोविड–19 के दिशा निर्देशों के अनुरूप महाविद्यालय द्वारा यूट्यब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर ऑनलाईन कक्षाओं का टाइमटेबल के अनुरूप संचालन की व्यवस्था को शिक्षकों के द्वारा सराहा गया और विशेषता शारीरिक शिक्षा और योग की कक्षाओं का

समायनुरूप संचालन उल्लेखनीय रहा। शिक्षकों ने महाविद्यालय की कोविड–19 की अवधि में चलाई जा रही गतिविधियों छात्राओं तक ऑनलाईन शिक्षण सामाग्री उपलब्ध कराये जाने की प्रक्रिया और महाविद्यालय स्तर पर स्मार्ट क्लासेस का संचालन और अनुशासन को उल्लेखनीय बताया। शिक्षकों ने महाविद्यालय खुलने की स्थिति में क्रीडा, पुस्तकालय एवं कैन्टीन को पुनः अपने पूर्व स्थिति में लाने के लिये किया गया। सभी कर्मचारियों को सम्मान देने और उनसे सद्व्यवहार के लिए प्राचार्या एवं प्रबन्धन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

<u>कार्यवाही :</u>

सत्र 2020–21 एक संकटकालीन दौर था। पूर्व से संचालित शिक्षण विधियाँ और शिक्षण सामाग्रीयाँ सब कुछ आप्रासंगिक हो चुकी थी। छात्राओं की ऑनलाईन परीक्षाएं सम्पादित करायी गयी। कोविड–19 के कारण विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक प्रोन्नति दी गयी। ऐसे में शिक्षा के स्तर को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को कठिन निर्णय लेने पड़े और कठोर कदम उठाने पड़े।

– छात्राओं को यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस पर पाठ्य सामाग्री उपलब्ध करायी गयी तथा समय सारणी के अनुसार नियमित कक्षाएं संचालित की गयी।

– परिसर/वाहनों में नियमित रूप से सेनेटाइज़ेशन एवं परस्पर दूरी बनाये रखते हुये क्रमवार प्रत्यक्ष कक्षाओं का संचालन किया गया।

– मनोरोग चिकित्सक डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव एवं डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव ने ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा छात्राओं को दी गयी।

– ऑनलाईन आर्ट कम्पटीशन एवं संगीत गायन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

– जे0एन0यू0 नई दिल्ली के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 के0कृष्ण गोपाल सक्सेना की ऑनलाईन पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गयी और छात्राओं ने अर्न्तराट्रीय पर्यावरण दिवस पर अपने–अपने घरों के आस–पास उपलब्ध स्थान पर 273 पीपल, पाकर, बरगद, नीम एवं गूलर के पौध रोपित कर उनके वीडियों प्रेषित किये गये।

– कोविड–19 टीकाकरण कैम्प महाविद्यालय परिसर में आयोजित कर छात्राओं और उनके अभिभावकों का टीकाकरण कराया गया।

– कोविड–19 के नियमों के कारण कैन्टीन की सुविधा एवं सांस्कृति कार्यक्रम स्थगित रहे।

– पुस्तकालय में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए छात्राओं को प्रवेश की सुविधा दी गयी।

– क्रीडा प्रतिस्पर्धाओं में केवल उन्ही खेलों को सम्मलित किया गया जिनमें पर्याप्त परस्पर दूरी बनी रहे। ऐसे खेलों में बैटमिनटन, वॉलीबॉल, डिस्कस/जैवलिन थ्रो और एथलेटिक्स को प्राथमिकता दी गयी।

– क्वीज और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई, जिससे बौद्धिक/तार्किक क्षमता में विकास हो सके।

– शुद्ध/शीतल पेयजल व्यवस्था के लिए आर0ओ0 विद् चिलर की व्यवस्था की गई। शैक्षणिक विधियों एवं शैक्षणिक परिवेश को ऑनलाईन एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं दोनों के अनुरूप तैयार किया गया। जिससे छात्राओं को प्रत्यक्ष कक्षाओं में क्रमवार शिक्षक/शिक्षिकाओं से सीधे संवाद भी हो सके और इसके साथ–साथ ऑनलाईन पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के ई–पाठशाला पोर्टल पर भी शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा लगभग 200 लेक्चर्स अपलोड किये गये।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

दिनांक 30/06/2017 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 13/07/2017 को किया गया। गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर के वातावरण को जनपद का सर्वश्रेष्ठ परिसर माना और यहा के कर्मचारी कल्याण योजना और शिकायत निवारण प्रक्रिया के प्रति विश्वास व्यक्त किया। चिकित्सा सुविधा में सुधार के लिए आग्रह किया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा की अत्यन्त आवश्यकता थी और इसके अनुरूप जिला चिकित्सालय से सम्पर्क कर सुविधाऐं उपलब्ध कराने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी प्रतापगढ़ से विशेष अनुरोध किया गया।

– परिसर के सामान्य परिवेश एवं आपसी सामंजस्य को बनाये रखने के लिए प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराये गये शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की प्रक्रिया को सहज बनाया गया और पिछले परिणामों को देखते हुए शिकायत निवारण प्रक्रिया से सभी कर्मचारियों को बार–बार अवगत कराया गया।

– कर्मचारियों में आपसी सद्भाव बनाये रखने के लिए प्राचार्या द्वारा डॉ0 श्रीमती अनीता पाण्डेय को अधिकृत किया गया।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –

दिनांक 27/04/2018 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 24/07/2018 को किया गया। गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रबन्धन द्वारा उनके आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं आर्थिक सहायता के लिए प्राचार्या और प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिकायत निवारण और सभी कर्मचारियों के साथ पारिवारिक एवं सम्मानजनक व्यवहार के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय की उत्कृष्ट कैन्टीन व्यवस्था एवं सभी कर्मचारियों में आपस में सद्व्यवहार को उल्लेखनीय बताया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के फीड–बैक के अनुरूप उनके आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं आर्थिक सहायता के आगामी सत्र के लिए जारी रखने का आदेश निर्गत किये गये।

– महाविद्यालय का सामान्य परिवेश गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के भावनाओं के अनुरूप सद्भावपूर्ण बनाये रखने के लिए प्राचार्या ने डॉ0 श्रीमती अनीता पाण्डेय जी को नोडल अधिकारी नामित किया।

– शिकायत निवारण सेल की पादर्शिता और सहज प्रक्रिया को बनाये रखने के लिए प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –

दिनांक 27/04/2019 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 17/07/2019 को किया गया। सत्र 2018–19 के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने परिसर के

पारिवारिक वातावरण और आपसी सद्व्यवहार के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद दिया। कर्मचारियों ने शिकायत निवारण व्यवस्था, कैन्टीन और कर्मचारी कल्याण की उत्कृष्ट सोच को सराहा। चिकित्सा सुविधा में और वृद्धि के लिए अनुरोध किया गया।

कार्यवाही–

– गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की मुख्य समस्या चिकित्सीय सुविधा की उपलब्धता के सम्बन्ध में मुख्यचिकित्साधिकारी प्रतापगढ़ से अनुरोध किया गया एवं डॉ0 राकेश शर्मा से निःशुल्क चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

– परिसर का वातावरण पारिवारिक बनाये रखने के लिए प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

– कर्मचारियों के लिए चल रही कर्मचारी कल्याण की योजनाओं को आगामी सत्र के लिए भी जारी रखने का निर्णय किया गया।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 26/05/2020 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 19/11/2020 को किया गया। कोविड–19 के कारण लागू लॉकडाउन में महाविद्यालय के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने और उनके स्वास्थ्य के लिए प्रबन्धन द्वारा किये गये प्रयासों को सराहा गया। कर्मचारियों ने इस कठिन परिस्थिति में कर्मचारियों के साथ खड़े रह कर प्रबन्धन ने उनके प्रति उपकार किया है और सभी कर्मचारी इस संकट से निपटने के लिए एक जुट होकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिनांक 22/03/2020 से लॉकडाउन लागू होने के कारण गैर शैक्षणिक कमचारियों के फीडबैक पर माह नवम्बर में विचार किया गया और कर्मचारियों को हर सम्भव मद्द देने के लिए प्रबन्धन ने विश्वास दिलाया।

कार्यवाही–

– कोविड काल के कठिन परिस्थितियों में सभी गैरशैक्षणिक कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने का निर्णय लिया गया।

– चिकित्सीय सहायता के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से कार्यवाही के लिये महाविद्यालय की ओर से श्री अनन्त प्रकाश शुक्ला, बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया।

– गैरशैक्षणिक कर्मचारियों में आत्मविश्वास संवर्धन के लिये डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव एवं डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव, ग्वालियर मेडिकल कॉलेज, ग्लालियर से ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये अनुरोध किया गया।

– प्रत्यक्ष कक्षाओं के संचालन के समय परस्पर दूरी बनाये रख कर आवश्यक उपकरण और बचाव के संसाधनों के साथ परिसर की साफ–सफाई और सेनेटाइज़ेशन के लिये व्यवस्था की गयी।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी के फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

दिनांक 18/04/2021 को शिक्षकों द्वारा दिये गये फीडबैक पर विश्लेषण दिनांक 09/09/2021 को किया गया। कोविड–19 सम्बन्धी लॉकडाउन लागू होने के कारण गैर शैक्षणिक कर्मचारियों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण ऑनलाईन किया गया और अधिंकांश कर्मचारियों ने शिकायत निवारण प्रक्रिया, आपसी सद्व्यवहार, संकट काल में एकजुट होकर परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रबन्धन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यवाही–

– कोविड–19 के संकट काल से निजात पाने के लिये संघर्षरत महाविद्यालय द्वारा अपने कर्मचारियों के लिये छात्राओं और उनके अभिभावकों के साथ कोविड टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

– आटोमैटिक सेनेटाइंज़िग मशीन और सेनेटाइज़िग टनैल की सुविधा का उपयोग करके ही गैरशौक्षणिक कर्मचारियों को परिसर में प्रवेश की अनुमति दी गयी।

– गैरशैक्षणिक कर्मचारियों को परस्पर दूरी बनाये रखते हुए परिसर की साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं का अनुरक्षण और महाविद्यालय के अभिलेखीय कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

– सांस्कृतिक कार्यक्रम और कैन्टीन की सुविधा निलम्बित रखी गयी।